फर्स्ट कॉलम

माय न्यू प्रोडक्ट

वाटरप्रूफ कैम रिकार्डर

क्या आप बारिश में भी वीडियो रिकार्डिंग करना चाहते हैं? यदि हां, तो इसके लिए पैनासॉनिक ने एसडीआर-एसडब्ल्यू20 नामक कैम रिकार्डर लांच किया है। यह न केवल वाटरप्रूफ है, बल्कि रेत व मिट्टी के बारीक कणों से भी पूरी तरह सुरक्षित है। यानी आप पर्वतीय इलाकों की रिमझिम बारिश में तो जैसलमेर या बाड़मेर के रेगिस्तानी इलाकों में भी बिंदास वीडियो रिकार्डिंग कर सकते हैं। यह कैम रिकार्डर शॉक रजिस्टेंस भी है। आपके हाथ से गिर भी जाए तो शायद बहुत अधिक नुकसान नहीं होगा। इसका आकार कुल मिलाकर रिमोट कंट्रोल से बड़ा नहीं है, मोटाई करीब पांच सेमी है। एमपीईजी-4 आधारित और 10 गुना आप्टिकल जूम के साथ जेएिस लेंस के इस कैम रिकार्डर की कीमत लगभग 15 हजार रुपए है।

माय मोबाइल

एक साथ कई खूबियां

लक्जरियस व नई प्रौद्योगिकी पसंद करने वाले लोगों के लिए नोकिया ने भारत में भी वह एन-96 मोबाइल फोन लांच कर दिया है जिसमें एक साथ कई खूबियां समेटी गई हैं। आइकोनिक एन-सीरिज के इस अत्याधुनिक 2.8 इंची टीएफटी टच स्क्रीन वाले फोन में पांच मेगापिक्सल कैमरा दिया हुआ है। मोबाइल की मेमोरी क्षमता भी जबर्दस्त है। 16 जीबी मेमोरी क्षमता वाले इस मोबाइल सेट में 18 हजार गाने अथवा 20 सम्पूर्ण फिल्में रिकार्ड कर रखी जा सकती हैं। इसकी मेमोरी को 24 जीबी तक बढ़ाया भी जा सकता है। इस मल्टीमीडिया हैंडसेट में म्यूजिक, गेम्स, ब्लू टूथ जैसे तमाम फीचर्स दिए गए हैं। हालांकि जितने ज्यादा फीचर्स हैं, दाम भी उसी के अनुरूप हैं- पूरे 34,999 रुपए।

माय इन्वेस्टमेंट

कमोडिटी इक्विटी फंड

देश में कमोडिटी के व्यवसाय में बढ़ती संभावनाओं के मद्देनजर बिरला सनलाइफ असैट मैनेजमेंट कंपनी ने कमोडिटी पर केंद्रित कमोडिटी इक्विटी फंड लांच किया है। यह ओपन एंडेड फंड उन कंपनियों में निवेश करेगा जो कमोडिटी के व्यवसाय में लगी हुई हैं। इसमें निवेशकों के लिए तीन प्लान मुहैया करवाए गए हैं। यह फंड निवेश के लिए 14 अक्टूबर तक खुला रहेगा।

- एस्कॉर्ट असेट मैनेजमेंट ने पॉवर एंड एनर्जी इक्विटी फंड लांच किया है। यह ओपन एंडेड ग्रोथ स्कीम है जिसमें 23 सितंबर तक न्यूनतम पांच हजार रुपए की राशि के साथ निवेश किया जा सकता है। यह फंड मुख्य रूप से बिजली व ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों के इक्विटी संबंधित इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करेगा। इसमें एंट्री लोड 2.25 फीसदी व एक्जिट लोड 1.0 फीसदी है।
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल स्मार्ट फंड (सीरीज सी) क्लोज एंडेड डेट फंड है जिसमें एक अक्टूबर तक निवेश किया जा सकता है। इसमें कोई एंट्री लोड नहीं है, जबकि एक्जिट लोड तीन फीसदी तक है। यह शार्ट व मीडियम टर्म डेट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करेगा।

माय बुक

बाजार की बाइबल

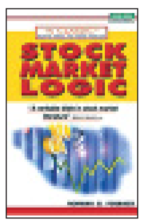

बाजार के बारे में आम धारणा रही है कि कोई भी निवेशक लगातार औसत से बेहतर रिटर्न हासिल नहीं कर सकता। लेकिन अमेरिका के जाने-माने निवेश विशेषज्ञ नार्मन जी. फोसबैक का कहना है कि अधिक परिष्कृत ढंग से निवेश करने पर सालों-साल कहीं बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। आखिर ये परिष्कृत ढंग कौन-से हैं? फोसबैक अपनी बेस्ट सेलर बुक 'स्टाक मार्केट लॉजिक' में निवेश की ऐसी ही सैकड़ों तकनीकों के बारे में बताते हैं। ये तकनीकें केवल अमेरिकी बाजारों में ही नहीं, कमोबेश विश्व के तमाम बाजारों में लागू की जा सकती हैं। शायद यही वजह है कि इस पुस्तक की दुनियाभर में पांच लाख से भी अधिक प्रतियां बेची जा चुकी हैं। मियामी हेराल्ड ने तो इसे स्टॉक मार्केट की बाइबल तक करार दिया है। भारत में भी इस पुस्तक का पेपरबैक संस्करण जारी किया गया है जिसकी कीमत 336 रुपए है।

Welcome to Online Shop - Microsoft Internet Explorer

File Edit View Favourites Tools Help

Back Search Favourites

Address http://www.onlineshopping.com Go Links

ऑनलाइन शॉपिंग.com

ध्यान दें

>> उत्पाद की खरीदी से पहले विभिन्न प्रतिष्ठित वेबसाइट्स पर उसकी कीमत के बारे में सर्वे जरूर करें।

>> टैक्स व अन्य शुल्क जांच लें। आमतौर पर सेल्स टैक्स व वैट को कीमत में बाद में जोड़ा जाता है। यह भी सुनिश्चित कर लें कि कहीं कोई छिपे हुए शुल्क तो नहीं हैं। इसके लिए हेल्पलाइन पर संपर्क करने से न कतराएं।

>> शिपिंग या डिलिवरी कॉस्ट को ध्यान रखें। अगर आप डिलिवरी जल्दी चाहते हैं तो उस बारे में भी वेबसाइट को अवगत करें।

>> कोई उत्पाद अभी उपलब्ध है या नहीं, इसके लिए वेबसाइट की हेल्पलाइन पर फोन करके पता कर लें। कई बार वेबसाइट जरूरी अपडेट नहीं करती है।

>> वेबसाइट की प्राइवेसी व सेक्युरिटी पॉलिसी को ध्यान से पढ़ें। आपके डाटा की सुरक्षा सबसे पहले जरूरी है।

>> आर्डर को वेबसाइट कंफर्म करती है। स्क्रीन पर आए इस कन्फर्मेशन संदेश को सेव करें या प्रिंटआउट ले लें। यह ट्रांजेक्शन रिकार्ड उत्पाद नहीं मिलने या उसे लौटाने की दशा में काम आएगा।

>> पता करें कि मनी बैक या रिफंड पॉलिसी है या नहीं, ताकि उत्पाद पसंद नहीं आने पर आप उसे लौटा सके।

प्रमुख साइट्स

- www.ebay.in
- www.amazon.com
- www.homeshop18.com
- www.khichdee.com
- www.rediff.com
- www.manjulindia.com
- shopping.indiatimes.com
- shopping.sify.com
- www.futurebazaar.com

ए. जयजीत

कंप्यूटर पर क्लिक करो, आपका मनपसंद कैमरा आपके घर पर होगा। क्या यह कोई जादू है? नहीं, यह ऑनलाइन शॉपिंग है, जो अब धीरे-धीरे हमारे देश में भी लोकप्रिय होती जा रही है। इसे लेकर कई तरह की शंकाएं भी हैं, लेकिन उससे मिलने वाले लाभ इन शंकाओं पर भारी पड़ रहे हैं।

कैसे लाभदायक?

पहुंच बढ़ाए: आप चाहे मुंबई में हो या किसी छोटे-से गांव में, अगर इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध है, तो कहीं से भी शॉपिंग की जा सकती है। इसका एक फायदा यह भी है कि वे नवीनतम उत्पाद भी उपलब्ध हो जाते हैं जो प्रायः छोटे शहरों में काफी दिनों बाद मिल पाते हैं।

समय बचाए: एक उत्पाद खरीदने के लिए विभिन्न दुकानों और शोरूमों पर जाकर दाम व फीचर्स को लेकर सर्वे करने की जरूरत नहीं। विभिन्न वेबसाइट्स पर तुलनात्मक अध्ययन से उत्पाद विशेष की तमाम जानकारी बेहद कम समय में उपलब्ध हो जाती है।

माय लाइफ स्टाइल

लाभ दिलाए : कई वेबसाइट्स पर कंपनियां अपने उत्पादों पर डिस्काउंट भी देती हैं। हालांकि कुछ वेबसाइट्स घर पहुंच सेवा के बदले में डिलिवरी चार्ज भी लेती हैं, लेकिन फिर भी यह लाभ का सौदा है।

भीड़ से बचाए : अक्सर खरीदी सप्ताहांत या अवकाश के दिन की जाती है जो भीड़-भाड़ भरे होते हैं। तो ऑनलाइन शॉपिंग न केवल भीड़-भड़क्के से बचाती है, बल्कि पार्किंग के टेंशन से भी।

शंका और समाधान

कैसी होगी गुणवत्ता?

कई लोग उत्पादों की गुणवत्ता के प्रति आशंकित रहते हैं। प्रतिष्ठित ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट्स ब्रांडेड कंपनियों को अपने साथ जोड़ती हैं। इनमें से कई वेबसाइट्स मनी बेक ऑफर भी देती हैं। इसलिए प्रतिष्ठित शॉपिंग वेबसाइट्स के जरिये खरीदी करने पर उत्पाद की गुणवत्ता के साथ कोई दिक्कत नहीं होती। इनकी नीतियों में साफ लिखा होता है कि कितने समय के भीतर उत्पाद को वापस करने पर वे मनी बैक कर देंगे।

इतना डिस्काउंट कैसे?

इन वेबसाइट्स पर मिलने वाले भारी डिस्काउंट ऑफर की वजह से भी लोगों को शंकाएं रहती हैं कि वाकई में उन्हें वही उत्पाद मिलेगा या नहीं, जिसका उन्होंने आर्डर दिया है। दरअसल, ऑनलाइन शॉपिंग में डिस्ट्रीब्यूटर, सब-डिस्ट्रीब्यूटर जैसी बीच की तमाम कड़ियां खत्म हो जाती हैं। इसके अलावा शोरूम, वहां कार्यरत कर्मचारियों इत्यादि पर होने वाला खर्च भी बच जाता है। कंपनियां यही बचत अपने ग्राहकों को डिस्काउंट के रूप में उपलब्ध करवाती हैं।

सुरक्षित हैं आनलाइन डाटा?

सभी प्रतिष्ठित ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट्स 'सेक्योर सॉकेट्स लैयर' (एसएसएल) सिस्टम का इस्तेमाल करने लगी हैं। इससे क्रेडिट या डेबिट कार्ड संबंधी तमाम जानकारियां सुरक्षित रहती हैं। वेबसाइट्स की प्राइवेसी व सेक्युरिटी पॉलिसी में साफ लिखा होता है कि क्रेडिट कार्ड की सुरक्षा के लिए वे किस प्रणाली का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसलिए थोड़ी सावधानी रखने पर यह सुरक्षित है।

यूं रखें सावधानी

नामी वेबसाइट्स को ही प्राथमिकता दें। वेबसाइट में जांच करें कि संपर्क करने के लिए पता व फोन नंबर दिया गया है या नहीं। ऐसी कोई जानकारी नहीं है तो वह वेबसाइट धोखा दे सकती है। उससे दूर रहें।

वेबसाइट पर फोन नंबर मिलने पर फोन करके देखें कि सामने से कोई जवाब मिलता है या नहीं। जवाब मिलने पर वेबसाइट की विश्वसनीयता की तस्दीक करें और फिर आगे की कार्रवाई करें। सुनिश्चित करें कि ऑनलाइन शॉपिंग में सुरक्षा मानकों का इस्तेमाल हो रहा है या नहीं।

डेबिट कार्ड के बजाय क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करें। विशेषज्ञों के अनुसार ऑनलाइन शॉपिंग में क्रेडिट कार्ड अधिक सुरक्षित है। यह सुनिश्चित करें कि वेबसाइट पर आपके आर्डर का कन्फर्मेशन मिल रहा है या नहीं। यदि नहीं मिल रहा है तो भावी खरीदी के प्रति सचेत रहें।

ऑनलाइन शॉपिंग सार्वजनिक कंप्यूटर से नहीं करें क्योंकि ऐसे कंप्यूटरों से भी आपके क्रेडिट कार्ड की सूचनाएं लीक हो सकती हैं।

40 फीसदी बढ़ोतरी हुई है पिछले दो साल के दौरान ऑनलाइन शॉपिंग में।

41 फीसदी हिस्सा है पुस्तकों का कुल वैश्विक ऑनलाइन शॉपिंग में।

70 फीसदी भारतीय ऑनलाइन शॉपिंग में हवाई जहाजों व रेलवे के टिकट खरीदते हैं।

84 फीसदी भारतीय ऑनलाइन शॉपिंग में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं।

99 फीसदी दक्षिण कोरियाई इंटरनेट यूजर्स ऑनलाइन शॉपिंग में रुचि रखते हैं

(स्रोत : नील्सन ग्लोबल ऑनलाइन सर्वे)

इनका कहना है...

इससे सीमाएं खत्म हो गई हैं। व्यक्ति पहले यह सोचकर मन-मसोसकर रह जाता था कि आखिर वह अच्छी किताबें कहां से खरीदें, लेकिन अब ऑनलाइन शॉपिंग से उसे आसानी से ये उपलब्ध हो जाती हैं। इससे किताबों के प्रति क्रेज भी बढ़ेगा।

- विकास रखेजा, एमडी, मंजुल पब्लिशिंग हाउस (ऑनलाइन किताबें उपलब्ध करवाने वाली कंपनी)

यह मानना गलत होगा कि ऑनलाइन शॉपिंग में अच्छे ब्रांड के उत्पाद उपलब्ध नहीं करवाए जाते। होमशॉप 18 ने एप्पल, मोटोरोला, फिलिप्स, गोदरेज इत्यादि जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स को अपने साथ जोड़ा है।

- होमशॉप 18 (ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट)

मैंने हाल ही में ऑनलाइन शॉपिंग के जरिये एक कैमरा बुलवाया जिस पर काफी डिस्काउंट मिला है। मैंने शोरूमों में उसकी कीमत तो चेक नहीं की, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इतना डिस्काउंट कोई दुकानदार देता।

- अंजलि अधिकारी, ऑनलाइन खरीददार, भोपाल

डिजाइनिंग: दीपक शर्मा

Internet

क्रेडिट कार्ड पर बिठाएं पहरा!

क्या आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं या लेने की सोच रहे हैं? यदि हां, तो उसकी सुरक्षा के बारे में भी विचार कर लीजिए। क्रेडिट कार्ड में सुविधाएं तो हैं, लेकिन जरा-सी असावधानी भारी परेशानी में भी डाल सकती है। इसमें धोखाधड़ी के मामलों से बचने के लिए इस्तेमाल करें ये टिप्सः

1. अपने क्रेडिट कार्ड पर तुरंत दस्तखत करें। यदि दस्तखत किया हुआ क्रेडिट कार्ड किसी के हाथ लगता है और वह उसका दुरुपयोग करता है तो उसके पकड़े जाने की संभावना ज्यादा रहती है।

2. कार्ड के दोनों हिस्सों की फोटोकापी किसी को नहीं दें। अगले हिस्से में कार्ड नंबर व कार्डधारक का नाम होता है तो पिछले हिस्से में कार्ड वेरीफिकेशन वैल्यू (सीवीवी) होता है जो ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के लिए जरूरी है। अगर किसी को सारी जानकारी एक साथ मिल जाए तो वह ऑनलाइन खरीददारी में इसका दुरुपयोग कर सकता है।

3. सुनिश्चित करें कि दुकानदार आपके क्रेडिट कार्ड को संबंधित बैंक की मशीन पर ही स्वाइप कर रहा है, किसी अन्य मशीन पर नहीं। स्किमर नामक मशीन में क्रेडिट कार्ड को स्वाइप करके उसके डाटा की नकल की जा सकती है। संदेह होने पर बैंक को सूचित करें।

4. आपके पास ऐसे ई-मेल या फोन काल आ सकते हैं जिनमें कालर या ई-मेल सेंडर खुद को बैंक का प्रतिनिधि बताकर आपसे कार्ड के बारे में जानकारी मांग सकता है। उसे यह जानकारी कदापि नहीं दें। ध्यान रखें कोई भी बैंक आपसे पासवर्ड, एकाउंट नंबर इत्यादि की जानकारी कभी भी फोन या ई-मेल के जरिये नहीं मांगेगा।

माय टिप्स

5. कार्ड गुम होते ही संबंधित बैंक को तत्काल सूचित करें ताकि किसी भी धोखाधड़ी को रोका जा सके। कार्ड को तुरंत निरस्त भी करवाएं। एक बार कार्ड निरस्त होने के बाद उसके जरिये होने वाली भावी खरीददारी की जिम्मेदारी से आप बच सकेंगे।

6. क्रेडिट कार्ड से किए गए लेन-देन पर सदैव नजर रखें और हो सके तो उसका रिकार्ड भी संभालकर रखें। इससे होने वाली धोखाधड़ी तुरंत पकड़ में आ सकेगी और कम से कम अगली धोखाधड़ी से आप बच जाएंगे।

बैलेंस का फंडा

उतार-चढ़ाव में भी नो टेंशन!

अस्थिर शेयर बाजार में एक निवेशक के लिए कॉस्ट एवरेजिंग करके चलना जरूरी है। कॉस्ट एवरेजिंग मतलब निश्चित समय तक एक ही कंपनी के शेयरों में निवेश करना। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव में भी उस शेयर की औसत कीमत स्थिर रहेगी और फिर मौका देखकर लाभ कमाया जा सकेगा।

निवेश की तारीख	प्रति शेयर कीमत	खरीदे शेयर	कुल निवेश	कुल शेयर	औसत कीमत प्रति शेयर
7 जन	200	25	5,000 रु.	25	200.00 रु.
7 फर	190	26	10,000	51	194.87
7 मार्च	195	26	15,000	77	194.91
7 अप्रैल	210	24	20,000	101	198.48
7 मई	220	23	25,000	124	201.61
7 जून	230	22	30,000	146	205.48

राग वामदत

शेयर बाजार इन दिनों इतना अस्थिर बना हुआ है कि एक दिन में 400 पॉइंट ऊपर चढ़ जाता है तो अगले ही दिन 500 पॉइंट लुढ़क भी जाता है। तो ऐसे में निवेशक क्या करें कि उस पर इस अस्थिरता का कम से कम प्रभाव पड़े? इसका एक तरीका है 'कॉस्ट एवरेजिंग'।

कॉस्ट एवरेजिंग में निवेशक को एक ही शेयर पर लंबे समय के लिए दांव लगाना होता है। ऐसा करना ऊपरी तौर पर जोखिमभरा नजर आता है, लेकिन अस्थिर बाजार में इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि निवेशक को लाभ कमाने का मौका भी अधिक होगा।

कॉस्ट एवजेरिंग में निवेशक को तीन बातें तय करनी होती हैं। एक, किसी एक कंपनी के शेयर। दो, निवेश की जाने वाली राशि और नंबर तीन, निवेश की एक निश्चित अवधि। इसमें निवेशक के लिए निश्चित अवधि तक लगातार निवेश करना अपेक्षित होगा, भले ही उस शेयर की स्थिति कैसी भी हो। हां, निवेशक एक बात का जरूर ध्यान रखें कि ऐसी कंपनी के ही शेयर चुने जो बुनियादी रूप से बेहतर हो।

शेयर बाजार में एक निवेशक के लिए आदर्श स्थिति यही होती है कि जब शेयर के भाव गिरे तो अधिक शेयर खरीदे जाएं और जब भाव अधिक हो तो शेयरों की खरीद कम कर दी जाए। हम यहां जिस कॉस्ट एवरेजिंग की बात कर रहे हैं, उसमें ऐसा अपने आप होता है। बस, यह सुनिश्चित करना होगा कि जिस शेयर विशेष में आपने निवेश तय कर रखा है, उसमें निवेश करते जाएं। इससे आपके द्वारा खरीदे गए शेयर की औसत कीमत एक तरह से स्थिर रहेगी।

माय शेयर

इसे एक उदाहरण से समझते हैं। संजय ने पिछले साल एक कंपनी विशेष के शेयरों में छह महीने तक प्रति माह पांच हजार रुपए का निवेश करने का फैसला किया। उन्होंने 7 जनवरी को निवेश शुरू किया। तब उस कंपनी के एक शेयर की कीमत 200 रुपए थी। इसलिए पांच हजार रुपए में उन्हें मिले 25 शेयर (5000 रु./प्रति शेयर 200 रु. = 25 शेयर)। इसके अगले महीने शेयर की कीमत घटकर 190 रुपए हो गई। अब संजय को मिले 26 शेयर। ऊपर दिए गए चार्ट को देखें तो छह महीने में संजय को 30 हजार रुपए के निवेश में कुल 146 शेयर हासिल हुए जिनकी प्रति शेयर औसत कीमत करीब 206 रुपए रही।

चार्ट से पता चलता है कि शेयर 190 रुपए से लेकर 230 रुपए के बीच में डोलता रहा, लेकिन संजय पर इस अस्थिरता का कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने प्रति शेयर 206 रुपए चुकाकर छह माह में 146 शेयर खरीद लिए। उन्हें छह माह तक यह नहीं देखना पड़ा कि शेयर बाजार में उनके शेयर के भाव क्या चल रहे हैं। उन्हें अब बस थोड़ा रुककर एक अच्छी रैली का इंतजार करना भर होगा।

(लेखक न्यूयार्क में बिजनेस एनालिस्ट व वेबसाइट www.RaagVamdatt.com के सलाहकार हैं।)

बनी रहें खुशियां

संडे टीम

माय इंश्योरेंस

देखने में आता है कि किसी व्यक्ति के पास एक भी बीमा पॉलिसी नहीं होती है और किसी-किसी के पास ढेरों। बाजार में कई बीमा कंपनियां हैं, जो पॉलिसी लेने का आग्रह करती रहती हैं। ऐसे में यह सवाल अक्सर उठता है कि व्यक्ति के पास कितना बीमा कवर होना चाहिए। दरअसल, इसका भी एक विज्ञान है। बीमा कवर कितना होना चाहिए, यह कुछ निश्चित बातों पर निर्भर करता है। बीमा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों से बातचीत के आधार पर बीमा कवर लेने के ये नियम सामने आए हैं:

नियम 1 : सबसे पहला नियम यही है कि अनहोनी की स्थिति में परिवार के मुखिया के नहीं रहने पर भी घर का खर्च चलता रहे। बीमा कवर इतना हो कि उससे प्राप्त राशि को कहीं निवेश करने के बाद उतनी नियमित आय मिले, जिससे सारे आधारभूत व अनिवार्य खर्च जैसे खान-पान, मकान किराया, स्कूल की फीस इत्यादि पूरे किए जा सके।

नियम 2 : एक नियम यह है कि जितनी आपकी कुल सालाना आय हो, उससे 8 से 10 गुना तक बीमा कवर लिया जाना चाहिए। यानी अगर आपकी आय दो लाख रुपए वार्षिक है, तो बीमा कवर 16 से 20 लाख रुपए तक होना चाहिए।

नियम 3 : तीसरा नियम प्रीमियम पर आधारित है। बीमा कवर इतना भी नहीं होना चाहिए कि उसका प्रीमियम चुकाने में ही आपको भारी दिक्कतों का सामना करना पड़े। कुल सालाना वेतन के 10 फीसदी से अधिक आपका प्रीमियम नहीं होना चाहिए। यानी अगर आपका वार्षिक वेतन दो लाख रुपए है, तो बीमा पर प्रीमियम 20 हजार रुपए से अधिक नहीं होना चाहिए।

जीवन बीमा का मूल मकसद ही यही है कि किसी व्यक्ति के न रहने पर भी आर्थिक दायित्व पूरे होते रहे। बीमा कवर इसी का गुणा-भाग करके तय किया जाना चाहिए। बीमा लेते समय वर्तमान नहीं, भविष्य देखें। **- वी. बालगोपाल, वरिष्ठ अधिकारी, एलआईसी**